|| विश्वस्तरीय ऑनलाइन ज्योतिष पोर्टल ||

Horoscope Website : https://JyotishShastra.com
AstroShopper (Astro Products Online Super Store) **:** https://AstroShopper.in
Email : care@jyotishshastra.com
WhatsApp Direct Link : https://wa.me/919520039039

हॉरोस्कोप फॉर्म विवरण :-

NAME :	Reena Yadav	GENDER :	Femal
DATE OF BIRTH :	12/09/1982	TIME OF BIRTH :	09:00 PM
CITY :	Alwar	STATE :	Rajasthan
COUNTRY :	India	LANGUAGE :	Hindi
PROCEDURE :	Vedic Parashar	SERVICE NAME :	Detailed Red Book Horoscope Report
QUESTION(S) :	Plz suggest rashi ratan for my life money whole my career ..m widow...and my child problem		
Address : Near Wonder Height, Vivekananda Nagar, Alwar, Rajasthan - 301001			
Mobile No. : 8058021906		Email ID : sharad857@gmail.com	
ORDER ID : #1098	PAYMENT ID : 381721091	AMOUNT : ₹990	
Order Date : 27/11/2020	Delivery Date : 02/12/2020	GSTIN : ####	

लग्न, राशि एवं ईष्ट :-

लग्न :	मेष
चंद्र राशि :	मिथुन
ईष्ट देव :	सूर्य देव

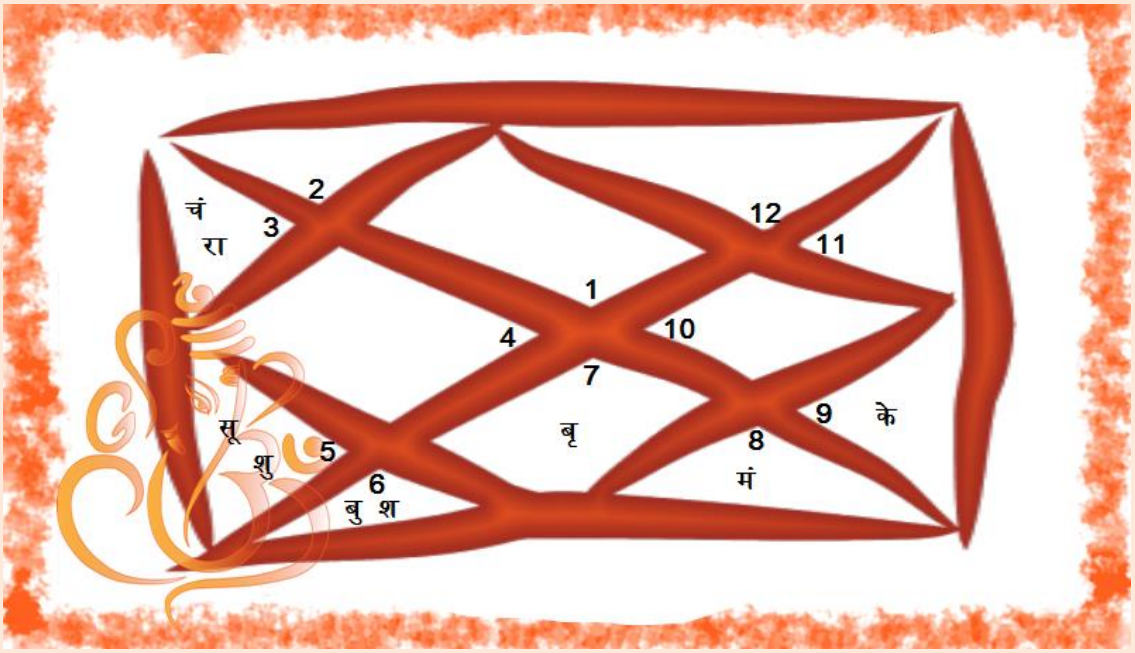

ॐ श्री गणेशाय नमः

कुंडली फलादेश :

श्रीमती रीना यादव जी आपकी जन्म कुंडली का विश्लेषण आपके प्रश्नो के अनुसार करने के उपरान्त आपको ज्योतिष की दृष्टि से परामर्श किया जाता है कि स्वमं एवं संतान के स्वास्थय के लिए मंगल ग्रह को बल प्रदान करें। ऐसा करने से आपको ह्रदय, रक्त, आँख, पित्त, हड्डी, मूत्राशय, गर्भाशय सम्बंधित रोगों व्याधियों से लड़ने-झूझने में सरलता प्राप्त होगी एवं संभावित रोगों के दुष्प्रभाव कम होंगे व् अधिक हानि नहीं होगी। मंगल ग्रह संतान की स्वास्थय सम्बंधित समस्याओं से भी निदान दिलाने में सहायक होंगे।

आपकी कुंडली में प्रथम विवाह में वैधव्य / पति से स्थाई रूप से अलगाव के योग उपलब्ध हैं। विवाह पूर्व यदि घट विवाह आदि उपाय किये गए होते तो संभवतः ऐसी स्थिति से बचा जा सकता था। संभवतः आपने किये भी हों तो ईश्वर के समक्ष किसी की नहीं चलती। विधि का विधान अटल है। अब आप भविष्य के लेकर किसी पंडित / ज्योतिषी के चक्कर में न पड़ते हुए शान्ति उपाय आदि के फेर में पूजा-पाठ, टोन-टोटके न कराएं लाभ नहीं होगा चूँकि समय निकल चुका है। जो घटना था वह घट चुका है।

आप पुनर्विवाह कर सकती हैं। पुनर्विवाह किसी ऐसे व्यक्ति से करें जिसकी कुंडली आपकी कुंडली पर भारी हो। कुंडली का मिलान किसी ज्ञानवान ज्योतिषी से कराने के उपरान्त ही पुनर्विवाह करे। ऐसा करने से पुनर्विवाह सुखमय रहेगा।

आपका करियर शनि से सम्बंधित अथवा क्षेत्र में होगा तो उत्तम सिद्ध होगा। आप नौकरी करें तो उत्तम है व्यापार में सफलता मिलने के चांस कम हैं। ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, टूर-ट्रेवल्स, लेबर हैंडलिंग से रिलेटेड जॉब फील्ड में उन्नति मिलेगी।

विशेष उपाय :-

♦ शुक्ल पक्ष के मंगलवार को मंगल ग्रह का एक्टिवेटिड प्राणप्रतिष्ठित यंत्र मंदिर में स्थापित कर उसके समक्ष बैठकर जीवन पर्यन्त प्रतिदिन मंगल ग्रह के बीज मंत्र "ॐ क्रां क्रीं क्रौं स: भौमाय नम:" का 108 बार / एक माला रुद्राक्ष (5 मुखी) जाप करें।

♦ हनुमान जी को प्रत्येक मंगलवार चोला चढ़ाएं व "ॐ हं हनुमते नमः" मंत्र का एक रुद्राक्ष माला जाप करें व पूजन करें।

♦ शुक्ल पक्ष के सोमवार से जीवन पर्यन्त बिना नागा किये प्रतिदिन परद से निर्मित शिवलिंग पर अक्षत (बिना टूटे चावल), रोली व कच्चा दूध चढ़ाएं।

♦ अपने एवं संतान के जन्मदिवस पर प्रतिवर्ष रुद्राभिषेक कराएं।

♦ शुक्ल पक्ष के बुधवार से बुध का एक्टिवेटिड प्राणप्रतिष्ठित यंत्र मंदिर में स्थापित कर उसके समक्ष बैठकर बुध के बीज मंत्र "ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं स: बुधाय नम:" का 20 अक्टूबर 2031 तक प्रतिदिन एक माला रुद्राक्ष जप करें।

♦ प्रतिदिन चिड़ियों को बाजरा / गाय को हरा चारा खिलाएं / सौंफ को रात को एक पुड़िया / कपडे में लपेटकर अपने तकिये के नीचे रख लें प्रातः उठते ही चिड़ियों को डाल दें। (20 अक्टूबर 2031 तक)

♦ शुक्ल पक्ष के शुक्रवार से से शुक्र के बीज मंत्र "ॐ द्रां द्रीं द्रौं स: शुक्राय नम:" का 13 जनवरी 2021 तक तत्पश्चात 17 मार्च 2031 से 17 मई 2033 तक तत्पश्चात 20 अक्टूबर 2036 से 20 अक्टूबर 2058 तक प्रतिदिन एक माला रुद्राक्ष जप करें।

♦ रिश्तेदारों, मित्रों आदि को सुगन्धित परफ्यूम (इत्र) उपहार स्वरुप दें। डीओ इत्र की श्रेणी में नहीं आता है। रेडीमेड गारमेंट्स, चावल, लक्ज़री आइटम्स, डायमंड जेवेलरी, अर्टिफिशियल जेवेलरी, कॉस्मेटिक आइटम्स आदि भी शुक्र की ही वस्तुएं हैं। प्रयास करें कि किसी से शुक्र सम्बंधित वस्तुएं उपहार में न लें यदि लेनी पड़े तो बदले में उन्हें भी कुछ दें। इसमें दी गई अथवा ली गई वस्तु के मूल्य की तुलना न करें मूल्य अधिक अथवा कम होने से लेने अथवा देने वाली वस्तु का प्रभाव कम-अधिक नहीं हो जाता है।

♦ जीवन में जब कभी भी कॉन्फिडेंस में कमी महसूस हो तो सूर्य को अर्घ देना प्रारम्भ कर दें हो सके तो "आदित्य ह्रदय स्तोत्र" का पाठ भी उगते सूर्य के समक्ष बैठकर करें।

रुद्राक्ष :-

4 मुखी नेपाली रुद्राक्ष चांदी की चेन में शुक्ल पक्ष के बुधवार को धारण करें।

आप ज्योतिषशास्त्र के ऑनलाइन वेब पोर्टल (www.AstroShopper.in) के माध्यम से विशिष्ट वैदिक विधि से प्राणप्रतिष्ठित एवं विशेष मन्त्रों - पूजा से अभिमंत्रित ओरिजनल नेपाली रुद्राक्ष प्राप्त कर सकते हैं।

रत्न धारण परामर्श :

आपको निम्न रत्न धारण करने का परामर्श दिया जाता है | इनके धारण करने से आपको समयानुसार इनके प्रभाव प्राप्त होते रहेंगे | रत्न उच्च कोटि के व दोषमुक्त ही धारण करें अन्यथा इनसे आपको लाभ की अपेक्षा दुष्परिणाम भी प्राप्त हो सकते हैं|

पुखराज रत्न धारण करने की विधि :-

पुखराज अथवा येलो सफायर को स्वर्ण की अंगूठी में जड़वाकर किसी भी शुक्ल पक्ष के बृहस्पतिवार के दिन सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करवाकर अथवा करके धारण करें | इसके लिए सबसे पहले अंगुठी को दूध, गंगा जल, शहद, घी एवं शक्कर के घोल में डाल दे | आगे की समस्त प्रक्रिया आपको प्रातः सूर्योदय होने के पश्चात 50 मिनट के भीतर संपन्न करनी है :- पांच अगरबत्ती बृहस्पति देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे बृहस्पति देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न पुखराज धारण कर रहा/ रही हूँ कृपया करके मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करें | तत्पश्चात अंगूठी को निकाल कर "ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं स: गुरवे नम:" का 108 बार जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उपर से 108 बार ही घुमाए तत्पश्चात अंगूठी विष्णु जी के चरणों से स्पर्श कराकर तर्जनी अंगुली (अंगूठे से पहली) में धारण करे |

बृहस्पति के अच्छे प्रभावों को प्राप्त करने के लिए उच्च कोटि का पुखराज ही धारण करे, अच्छे प्रभाव के लिए पुखराज का रंग हल्का पीला और दाग रहित होना चाहिए , पुखराज में कोई दोष नहीं होना चाहिए अन्यथा शुभ प्रभावों में कमी आ सकती है | प्रभाहीन, धारीदार, दूधिया रंग वाला, जालदार, काली छींटों से युक्त अथवा सफेद बिन्दुओं से युक्त पुखराज रत्न का धारण अथवा प्रयोग सर्वथा निषेध होता है। लाल छींटे, गड्ढे, खरोंच और एक साथ दो रंगों से युक्त पुखराज रत्न भी अनिष्ट का कारक होता है।

पुखराज धारण करने के लिए सर्वप्रथम अपना वजन करें व उसको 10 से भाग कर दें जो अंक आये उतने रत्ती का पुखराज धारण करें | माना की आपका वजन 70 किलो है इसे 10 से भाग करने पर 7 अंक आता है अर्थात आपको सवा सात रत्ती का पुखराज धारण करना है |

मूंगा रत्न धारण करने की विधि :-

मंगल देव के रत्न, मूंगे को स्वर्ण या ताम्बे की अंगूठी में जड़वाकर किसी भी शुक्ल पक्ष के मंगलवार को सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करें | इसके लिए सबसे पहले अंगुठी को दूध, गंगा जल, घी, शहद एवं शक्कर के घोल में डाल दें | आगे की समस्त प्रक्रिया आपको प्रातः सूर्योदय होने के पश्चात 50 मिनट के भीतर संपन्न करनी है :- पांच अगरबत्ती मंगल देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे मंगल देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न मूंगा धारण कर रहा/ रही हूँ कृपया करके मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को निकाल कर "ॐ क्रां क्रीं क्रौं स: भौमाय नम:" का 108 बार जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उपर से घुमाए तत्पश्चात अंगूठी हनुमान जी के चरणों से स्पर्श कराकर अनामिका में धारण करे | मंगल के अच्छे प्रभावों को प्राप्त करने के लिए उच्च कोटि का मूंगा ही धारण करे, मूंगे का रंग लाल और दाग रहित होना चाहिए, मूंगे में कोई दोष नहीं होना चाहिए अन्यथा शुभ प्रभाओं में कमी आ सकती है |

मूंगा धारण करने के लिए सर्वप्रथम अपना वजन करें व उसको 10 से भाग कर दें जो अंक आये उतने रत्ती का मूंगा धारण करें | माना की आपका वजन 65 किलो है इसे 10 से भाग करने पर 6.5 अंक आता है अर्थात आपको सवा छह रत्ती का मूंगा धारण करना है |

माणिक्य रत्न धारण करने की विधि :

सूर्य देव के रत्न माणिक्य अथवा रुबी को धारण करने के लिए सर्वप्रथम प्रश्न उपजता है कि कितने भार अथवा रत्ती का माणिक्य रत्न धारण किया जाना उपयुक्त रहेगा ? इसके लिए सर्वप्रथम अपना वजन ज्ञात कर लें | अपने वजन के दसवें भाग के भार बराबर रत्ती का शुद्ध एवं ओरिजिनल माणिक्य स्वर्ण या ताम्बे की अंगूठी में जड़वाएं | किसी भी शुक्लपक्ष के प्रथम रविवार के दिन सूर्य उदय के पश्चात् अपने दाये हाथ की अनामिका में धारण करें | धारण करने से पूर्व माणिक्य युक्त अंगूठी के शुद्धिकरण एवं प्राण प्रतिष्ठा करने हेतु सबसे पहले अंगूठी को पंचामृत अर्थात दूध, गंगाजल, शहद, घी और शक्कर के घोल में लगभग तीस मिनट तक डाल दें | आगे की समस्त प्रक्रिया आपको प्रातः सूर्योदय होने के पश्चात 50 मिनट के भीतर संपन्न करनी है :- पांच अगरबत्ती सूर्य देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे सूर्य देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न धारण कर रहा/ रही हूँ | मुझे आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को पंचामृत से निकालकर "ॐ ह्रां ह्रीं हौं स: सूर्याय नम:" मन्त्र का जाप 108 बार करते हुए अंगूठी को अगरबती के ऊपर से 108 बार घुमाये और अंगूठी को विष्णुजी के चरणों से स्पर्श करवा कर अनामिका में धारण करे |

नोट :- ज्योतिषशास्त्र, ज्योतिष में भाग्य से अधिक कर्म को प्रधान मानता हैं एवं हमारे द्वारा प्रदत्त कुंडली विश्लेषण पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित हैं | जो कुंडली में लिखा हैं वह भाग्य हैं, जो बीत गया उसे ठीक तो नहीं किया जा सकता किन्तु अच्छे कर्मो के माध्यम से हम अपने आने वाले समय को सुखमय व सरल अवश्य ही बना सकते हैं | ज्योतिष अन्धकार से भरे मार्ग पर एक पथ प्रदर्शक के रूप में कार्य करता हैं |

यह भी सत्य है कि ज्योतिष किसी जातक को उसकी सीमा से परे तो नहीं ले जा सकता परन्तु हाँ उस जातक की सीमा के भीतर आ रहे अवरोधों व बाधाओं को दूर करने का मार्ग अवश्य प्रशस्त करता है |

नोट :- ज्योतिषशास्त्र द्वारा संचालित ईकॉमर्स पोर्टल : https://AstroShopper.in के माध्यम से आप विशेषज्ञों द्वारा विशेष विधि से सिद्ध एवं प्राण प्रतिष्ठित किये हुए नेचुरल एवं ऑरिजनल रत्न, ज्योतिष एवं वास्तु सम्बंधित यन्त्र, परद प्रोडक्ट्स, नेपाली रुद्राक्ष बीज, रुद्राक्ष माला, स्फटिक प्रोडक्ट्स, फेंगशुई प्रोडक्ट्स ऑनलाइन मंगवा सकते हैं |

उपायों के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने अथवा असुविधा होने पर ईमेल आईडी care@jyotishshastra.com पर हमें ईमेल करें अथवा 9520039039 पर व्हाट्सऐप करें |

नोट :- साकारात्मक भावना व श्रद्धा से उक्त दिए गए उपायों को करें | उपाय बोझिल मन से कतई न करें |

भगवान श्री गणेश आप एवं आपके परिवार के सदस्यों को सुख, शान्ति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि प्रदान करे |

गुरुदेव संदीप पुलस्त्य

ज्योतिष एवं वास्तु आचार्य

— — — — — — — — — — — —

डिस्क्लेमर :- कुंडली विवेचना एवं प्रदत्त परामर्श पूर्णतया आपके द्वारा उपलब्ध कराये गए नाम, लिंग, दिवस, समय एवं स्थान पर आधारित हैं | उपलब्ध नाम, लिंग, दिवस, समय एवं स्थान भिन्न होने पर प्रस्तुत विवेचना एवं परामर्श परिवर्तित हो जायेगा जो आपके जीवन घटनाचक्र से भिन्न होगा |